'पर्यावरण को आगे रखकर अपनाएं विकास की राह'

ईटी ब्यूरो

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने गुरुवार को कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत को प्रभावकारी नियामक नीतियां लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नीतियां ऐसी हों, जिससे लाइसेंस-परमिट राज को बढ़ावा नहीं मिले। पर्यावरण की चिंता को लेकर उड़ीसा में पॉस्को स्टील प्लांट और वेदांता के माइनिंग वेंचर जैसी कुछ बड़ी परियोजनाएं या तो बंद हो गईं या फिर इनमें देर हुई। कुछ कोयला खनन क्षेत्रों में पर्यावरण मंत्रालय द्वारा 'नो गो' एरिया के निर्धारण से कोयला परियोजनाओं को झटका लगा। 100 से ज्यादा कोयला खनन परियोजनाएं अधर में फंस गईं।

प्रभावकारी नीतियां जरूरी

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत को प्रभावकारी नियामक नीतियां लागू करने की जरूरत है

प्रधानमंत्री ने कहा, 'नियामक के मानकों को लागू करते वक्त यह सुनिश्चित करना होगा कि इससे लाइसेंस परमिट राज को बल नहीं मिले। हमने नब्बे के दशक की शुरुआत में आर्थिक सुधारों को लागू करके इसे खत्म किया था।' उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी नीतियां बनानी होंगी जिससे प्रदूषण फैलाने वाले हतोत्साहित हो सकें। साथ ही वित्तीय सहायता जैसे उपाय अपनाकर उन्हें प्रदूषण कम करने के लिए राजी करना होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'सामान्य तौर पर हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि प्रदूषण फैलाने वालों पर कार्रवाई हो सके, हालांकि इस लक्ष्य को हासिल करना काफी मुश्किल है।' भारत अलग-अलग उद्योगों खासकर ज्यादा ऊर्जा इस्तेमाल करने वाले उद्योगों के लिए उचित मानक लागू करने की कोशिश में है।